रिश्ते

रिश्ते महज होने से नहीं,
साथ निभाने से बनते हैं
अपना कहने से नहीं,
अपनापन दिखाने से बनते हैं।
स्वार्थ से नहीं, जीवन के हर पड़ाव पर
साथ निभाने से बनते हैं
रिश्ते एक दूसरे को समझने व समझाने से बनते हैं।
रिश्तों की कदर की जाती है,
ना कि हक़ जताने से बनते हैं
रिश्ते जबरदस्ती नहीं,
प्यार के एहसास से बनते हैं।
रिश्ते अनमोल होते हैं,
ये तो विश्वास से बनते हैं
रिश्ते कड़वाहट से नहीं,
ये मिठास से बनते हैं।
रिश्ते मजबूत, महत्त्व देने से और साथ वक़्त बिताने से बनते हैं।।

नंदिनी चौहान

साहित्य रत्न जुलाई2023